



भारत का आउटवार्ड और इनवार्ड इन्वेस्टमेंट रुझान

प्रलिमिंस के लिये:

आउटवार्ड डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (ODI), [प्रत्यक्ष वदेशी नविश](#), टैक्स हेवनस

मेन्स के लिये:

भारत का आउटवार्ड और इनवार्ड इन्वेस्टमेंट रुझान और इसका भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [भारतीय रजिस्ट्रार बैंक](#) (RBI) द्वारा की गई गणना के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023 में भारत में भारतीय कंपनियों द्वारा [इनवार्ड प्रत्यक्ष वदेशी नविश](#) (FDI) में वृद्धि के साथ-साथ [आउटवार्ड डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट](#) (ODI) में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

प्रत्यक्ष वदेशी नविश (Foreign Direct Investment- FDI):

- प्रत्यक्ष वदेशी नविश (FDI) किसी देश के एक फर्म या व्यक्ति द्वारा दूसरे देश में स्थिति व्यावसायिक गतिविधियों में किया गया नविश है।
- यह विभिन्न प्रकार का हो सकता है, जैसे [शेयर खरीदना](#), सहायक कंपनी अथवा संयुक्त उद्यम स्थापित करना या ऋण प्रदान करना अथवा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण करना।
 - FDI को आर्थिक विकास का एक प्रमुख चालक माना जाता है, क्योंकि यह मेज़बान देश में पूंजी, प्रौद्योगिकी, कौशल, बाज़ार तक पहुँच और रोज़गार के अवसर प्रदान कर सकता है।

आउटवार्ड डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (ODI):

- ODI एक व्यावसायिक रणनीति है जिसमें एक घरेलू फर्म अपने परिचालन का वसितार किसी वदेशी देश में करती है।
- यदि उनके घरेलू बाज़ार संतृप्त हो जाते हैं और वदेशों में बेहतर व्यावसायिक अवसर उपलब्ध होते हैं, तो ODI को नियोजित करना कंपनियों के लिये एक स्वाभाविक प्रगत है।
- अमेरिकी, यूरोपीय और जापानी कंपनियों ने लंबे समय से अपने घरेलू बाज़ारों के बाहर व्यापक नविश किया है।
 - चीन हाल के वर्षों में एक बड़े ODI प्रतभागी के रूप में उभरा है।

आउटवार्ड डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट रुझानों की मुख्य विशेषताएँ:

- ODI में सगिपुर सबसे आगे:
 - वित्ति वर्ष 2023 में सगिपुर भारतीय ODI के सबसे बड़े लाभारथी के रूप में उभरा, जसिने 2.03 लाख करोड़ रुपए प्राप्त कयि, जो कुल ODI का 22.3% है, जो सगिपुर के बाज़ार में भारतीय कंपनियों की बढ़ती रुचि को दर्शाता है।
 - सगिपुर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वसितार करने वाले भारतीय व्यवसायों के लिये एक महत्त्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करता है।
 - वित्ति वर्ष 2013 के दौरान नविश कयि गए कुल 9.1 लाख करोड़ रुपए का 60% प्राप्त करने वाले सगिपुर, अमेरिका, यूके और नीदरलैंड शीर्ष गंतव्यों में से थे।
- समग्र ODI विकास:
 - भारतीय कंपनियों का कुल ODI 19.46% की प्रगतशील वृद्धि के साथ वित्ति वर्ष 2023 में 9.11 लाख करोड़ रुपए तक पहुँच गया, जबकि

OUTWARD DIRECT INVESTMENT FROM INDIA

COUNTRY	2022	2023	SHARE
Singapore	₹182,200 cr	₹203,233 cr	22.3%
USA	₹102,078 cr	₹124,123 cr	13.6%
UK	₹84,075 cr	₹116,398 cr	12.8%
Netherlands	₹97,723 cr	₹106,395 cr	11.7%
UAE	₹55,608 cr	₹87,459 cr	9.6%
Mauritius	₹70,392 cr	₹76,881 cr	8.4%
Switzerland	₹26,130 cr	₹28,228 cr	3.1%
Bermuda	₹11,515 cr	₹12,582 cr	1.4%
Jersey	₹13,198 cr	₹11,661 cr	1.3%
Cyprus	₹10,142 cr	₹9,985 cr	1.1%
Other Countries	₹1,09,591 cr	₹1,34,124 cr	14.7%
All Countries	₹7,62,652 cr	₹9,11,069 cr	100.0%

■ टैक्स हेवेन:

- बरमूडा, जर्सी और साइप्रस तीन क्षेत्राधिकार हैं जो कर लाभ के लिये जाने जाते हैं और भारतीय ODI प्राप्त करने वाले शीर्ष दस देशों में हैं।
- बरमूडा, विशेष रूप से अपनी अनुकूल कर नीतियों के लिये प्रसिद्ध है, जिसमें लाभ, आय, लाभांश या पूंजीगत लाभ पर कोई कर नहीं शामिल है।

आवक वदेशी प्रत्यक्ष निवेश रुझानों की मुख्य विशेषताएँ:

■ कुल FDI वृद्धि:

- भारत में FDI प्रवाह में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, वित्त वर्ष 2023 में कुल FDI प्रवाह 49.93 लाख करोड़ रुपए तक पहुँच गया, जबकि वर्ष 2022 में यह 46.72 लाख करोड़ रुपए था।

■ आवक FDI में अमेरिका शीर्ष पर:

- संयुक्त राज्य अमेरिका FY2023 में भारत में आवक FDI का सबसे बड़ा स्रोत था, जिससे 8.58 लाख करोड़ रुपए की आवक हुई, जो कुल हसिसेदारी का 17.2% था।

■ अन्य प्रमुख FDI योगदानकर्ता:

- भारत के FDI में योगदान देने के मामले में मॉरीशस, ब्रिटेन और सगिपुर ने अमेरिका का अनुसरण किया। शीर्ष दस देशों का कुल FDI प्रवाह में 90% से अधिक का योगदान था।

बढ़ते ODI और FDI का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव:

- ODI और FDI में वृद्धि भारतीय कंपनियों की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति एवं वदेशों में निवेश तथा परिचालन का वसितार करने की इच्छा को इंगति करती है, जो आर्थिक विकास और विविधीकरण में योगदान देती है।
- विभिन्न देशों और क्षेत्रों में निवेश करने से भारतीय कंपनियों को जोखिमों में विविधता, नए बाजारों, प्रौद्योगिकी और संसाधनों तक पहुँच प्राप्त करने और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करने की अनुमति मिलती है।
- यदि भारत विभिन्न देशों से महत्वपूर्ण FDI आकर्षित करना जारी रखता है, तो निवेश गंतव्य के रूप में सैकड़ों अपील और आर्थिक विकास एवं रोजगार सृजन की संभावना बढ़ जाएगी।

<https://www.youtube.com/watch?v=ScyDy5UZx5Y>

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न . भारतीय अर्थव्यवस्था के बकिस में एफ.डी.आई की आवश्यकता की पुष्टि कीजिये । हस्ताकषरति समझौता-ज्जापनों तथा वास्तवकि एफ.डी.आई के बीच अंतर क्यों है? भारत में वास्तवकि एफ.डी.आई को बढ़ाने के लयि सुधारात्मक कदम सुझाइये । (2016)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-s-outward-and-inward-investment-trends>

